भारतीय रेड क्रास सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा

वार्ता

26 नवम्बर, 2019, डॉ0 विनीत अग्रवाल, एम0डी0, विषय – 'वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार'

डॉ0 विनीत अग्रवाल ने बताया कि इन बीमारियों से बचाव के लिए जागरूकता एवं बचाव अत्यन्त आवश्यक हैं। इसके बाद भी यदि कोई व्यक्ति इन बीमारियों से ग्रसित हो जाता है तो निर्भीक होकर योग्य चिकित्सक के पास तुरंत जाना चाहिये ताकि उचित निदान व उपचार मिल सके।

वेक्टर जनित बीमारियों का प्रारम्भ मच्छर के द्वारा विषाणु फैलाने से होता है। इसमें व्यक्ति मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि बीमारियों के प्रभाव में आ सकता है। प्रारम्भिक लक्षण जुकाम बुखार से प्रारम्भ होते हैं। लेकिन शीघ्र ही यदि मांशपेशियों में दर्द, जोड़ों में दर्द व शारीरिक कमजोरी महसूस हो तो तुरन्त योग्य चिकित्सक से सलाह लें ताकि उचित उपचार हो सके। ज्यादातर मामलों में वायरस पॉच से सात दिन में अपने आप मर जाता है इसलिए घबड़ायें नहीं।

उन्होंने यह भी बताया कि मलेरिया का मच्छर रात में तथा डेंगू का मच्छर दिन में काटता है अतः दिन व रात दोनों में सावधान रहना है। मच्छरों को अपने आप पास पनपने नहीं देना है।

उन्होंने यह भी बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार लगभग सात लाख लोग प्रतिवर्ष मलेरिया से मरते हैं और डेंगू से मरने वालों की संख्या भी इसी के आसपास है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता है।

कैंपस जागरण 6 दैनिक जागरण
लखनऊ, 27 नवंबर 2019

दिन में डेंगू तो रात में काटते हैं मलेरिया फैलाने वाले मच्छर

एलबीएस कॉलेज में कार्यक्रम में उपस्थित छात्र • जागरण

संसू, गोंडा : श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी ने गोष्ठी आयोजित की। इसमें वेक्टर जनित बीमारियों के रोकथाम व बचाव पर चर्चा हुई। बताया गया कि मलेरिया के मच्छर रात व डेंगू के मच्छर दिन में काटते हैं। विशेषज्ञों ने आसपास मच्छर न पनपने देने की सलाह दी।

डॉ. विनीत ने कहा कि बीमारी से बचने के लिए जागरूकता व बचाव सबसे जरूरी है। उन्होंने बीमारी होने पर डरने व परेशान होने के बजाय योग्य चिकित्सक को दिखाने की सलाह दी। कहा कि घर के आसपास साफ-सफाई रखें। मच्छर न पनपने दें। इनके काटने से मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि बीमारियों के चपेट में आ सकते हैं। प्रारंभिक लक्षण के बारे में बताते हुए कहा कि सबसे पहले जुकाम व बुखार होता है। उसके बाद शरीर में दर्द व कमजोरी महसूस होने लगती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हुए इससे सचेत रहने की सलाह दी। प्राचार्य डॉ. वंदना सारस्वत ने कार्यक्रम की सराहना की तथा इसे उपयोगी बताया। मुख्य नियंता डॉ. जितेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ. शैलेंद्रनाथ मिश्र, रेडक्रॉस के प्रभारी डॉ. राजीव अग्रवाल, डॉ. विश्व दीपक त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।